महत्वपूर्ण एवं खास

मौसम ने ली करवट, हल्की बूंदाबांदी से तापमान में आई गिरावट, अगले 2 दिनों तक गर्मी से मिलेगी राहत

जगदलपुर (आरएनएस)। उत्तर छत्तीसगढ़ से दक्षिणी कर्नाटक तक विस्तारित द्रोणिका की वजह से बस्तर के मौसम में भी बदलाव दिखाई दिया। तापमान गिरने के साथ-साथ बारिश और तेज हवाओं से लोगों ने कुछ राहत महसूस की है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 14 मार्च तक मौसम पर असर रहेगा। बस्तर में विशेष तौर पर मध्य बस्तर में हल्की बूंदाबांदी के साथ कई जगह ओलावृष्टि और बारिश भी हुई है। असम में हुई बारिश की वजह से आम के शुरुआती फल झडऩे लगे हैं। इससे फसल को नुकसान की आशंका है। यह समय बस्तर में महुआ बीनने का भी है और तेज हवा हल्की बूंदाबांदी से महुवे को भी नुकसान हुआ है।

झुंड से भटककर गांव पहुंचा बाइसन : फसलों को पहुंचाया नुकसान, ग्रामीणों में दहशत

बिलासपुर (आरएनएस)। अचानकमार टाइगर रिजर्व के जंगल से बाइसन झुंड से भटककर एक बाइसन तखतपुर के सांवाताल गांव पहुंच गया। वह ग्रामीणों की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है। बाइसन की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना गया है। वहीं इसकी जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम दो दिनों से लगातार बाइसन पर नजर रखी हुई है। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को इस बाइसन से दूर रहने की अपील की है।

तीन पीडीएस दुकान निरस्त

गरियाबंद (आरएनएस)। जिले के राजिम अनुविभाग अंतर्गत गनियारी, तरीघाट और खैरझिटी के शासकीय उचित मूल्य की दुकान को निरस्त कर दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजिम सु पूजा बंसल ने छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के कंडिका 16 (1) के तहत उक्त शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया है। ज्ञात हो कि गायत्री महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान गनियारी द्वारा प्रतिमाह खाद्यान्न वितरण निर्धारित समय/निर्धारित माह के 05 तारीख तक डी.डी. की राशि जमा नहीं करने पर उक्त दुकान को निलंबित कर निरस्तीकरण हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उक्त संस्था को अपना पक्ष रखने का समुचित अवसर प्रदान किये जाने के उपरांत भी संस्था द्वारा किसी प्रकार का जवाब/पत्र अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसी तरह जागृति महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान तरीघाट के संचालन में अनियमितता पाये जाने तथा ग्राम पंचायत खैरझिटी द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान खैरझिटी का संचालन किये जाने में असमर्थता व्यक्त किये जाने एवं उक्त दुकान अन्य संस्था को दिये जाने के संबंध में त्याग पत्र प्रस्तुत किये जाने के कारण निरस्त किया गया है।

थप्पड़ जड़ने से नाराज बेटे ने पिता की छीनी जिंदगी

कोरबा (आरएनएस)। जिले से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. जहां तमाचा जडऩे से नाराज बेटे ने पिता को मौत के घाट उतार दिया. हालांकि, घटना के बाद पुलिस कातिल बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पिता-पुत्र के बीच जमीन बंटवारे को लेकर विवाद हुआ. इस दौरान गुस्से में पिता ने पुत्र को थप्पड़ जड़ दिया. जिसके बाद गुस्साए बेटे ने गला घोंटकर हत्या कर दी. वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद कातिल फरार हो गया।

मृतक का बेटा जब घर पहुंचा तो उसने अपने पिता को बेसुध हालत में देख अस्पताल ले गया. जहां डॉक्टरों ने चमार सिंह गोंड को मृत घोषित कर दिया. घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी पवन सिंह गोंड को गिरफ्तार कर लिया है. पूरी घटना उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम करमंदी की है।

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग राष्ट्रीय स्तर पर फिर पुरस्कृत, अंगना म शिक्षा कार्यक्रम को मिला वर्ष 2022 का स्कॉच अवार्ड

❐ मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री ने दी बधाई

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग को एक बार पुन: अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार लेने का अवसर प्राप्त हुआ है। कड़ी प्रतियोगिता के बाद राज्य में समग्र शिक्षा द्वारा संचालित अंगना म शिक्षा कार्यक्रम के तहत वर्ष 2022 में किए गए कार्य के लिए स्कॉच अवार्ड 2022 प्राप्त हुआ है। यह पूरा कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की महिला शिक्षिकाओं के समूह द्वारा संचालित की जा रही है। इस वर्ष इस कार्यक्रम का तीसरा वर्ष होगा और प्रतिवर्ष इसमें महिला नेतृत्व द्वारा कुछ नया डिजाइन शामिल किया जाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इस अवार्ड के लिए विभाग एवं राज्य की शिक्षिकाओं को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि स्कॉच अवार्ड एक स्वतंत्र संगठन द्वारा प्रदत्त देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों की पहचान करता है जो भारत को एक बेहतर राष्ट्र बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करते है। इस अवार्ड को वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। यह अवार्ड डिजिटल, वित्तीय और सामाजिक समावेश के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रयासों के लिए प्रदाय किया जाता है। कोरोना के समय जब स्कूल शिक्षा विभाग का पूरा अमला बच्चों की पढ़ाई को जारी रखने के लिए निरंतर प्रयासरत था और शिक्षकों को इस कार्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए

नए-नए तरीकों से बच्चों की पढाई को जारी रखने की कोशिश सतत् की जा रही थी। उसी समय राज्य के कुछ महिला शिक्षिकाओं ने इस राज्यव्यापी कार्यक्रम पढ़ई तुंहर दुआर में अपने योगदान का प्रस्ताव रखा। उन्होंने माताओं को प्रशिक्षित कर उनके माध्यम से घर पर रहते हुए ही बच्चों को सिखाने के प्रयास को अंगना म शिक्षा के रूप में प्रारंभ किया। 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम के माध्यम से माताओं में अपने बच्चों की पढ़ाई के प्रति अलख जगाने में सफलता पाई। माताओं एवं छोटे बच्चों को गाँव-गाँव में मेलों का आयोजन कर, मेले में माताओं एवं बच्चों को आमंत्रित कर घर में उपलब्ध सामग्री जैसे बर्तन, सब्जी, फल, कपड़े आदि का उपयोग कर सिखाया जाए, इस पर कार्य किया गया। ग्राम स्तर पर बेहतर कार्य कर रही माताओं को स्मार्ट माता के रूप में चयन कर सम्मानित किया गया। स्मार्ट माता अन्य माताओं को भी इस कार्यक्रम में जोड़े रखने एवं सीखने में सहयोग के साथ-साथ समय-समय पर बालवाड़ी एवं प्राथमिक शालाओं में जाकर बच्चों की शिक्षा में सहयोग एवं शिक्षकों से अपने बच्चों के सीखने के कार्य संबंधी जानकारी लेने का कार्य भी करती थीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से माताओं में बच्चों को घर पर पढ़ाने की संस्कृति विकसित करने में सफलता मिली है। बच्चों ने जो कुछ सीखा, उसे रिपोर्ट कार्ड के बदले एक सपोर्ट कार्ड डिजाइन कर माताओं के हस्ताक्षर से माताओं द्वारा अपने बच्चों के शिक्षकों को देना सुनिश्चित किया गया। माताओं को बहुत आसान तरीकों से सरल चिन्हों का उपयोग कर बच्चों की विभिन्न दक्षताओं में स्थिति को दर्शाने का प्रयास किया गया। शिक्षिकाओं के समूहों द्वारा संकुल, विकासखंड, जिले एवं राज्य स्तर पर कोर ग्रुप के माध्यम से पूरे कार्यक्रम की मानिटरिंग की व्यवस्था की गयी।

जिले में 5 नए अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को शुरू करने की घोषणा

❐ स्वामी आत्मानंद स्कूल हो जाएंगे 15, इसमें 11 इंग्लिश तो 4 हिंदी मीडियम के

कोरबा (आरएनएस)। जिले में लगातार गवर्नमेंट स्वामी आत्मानंद स्कूलों की संख्या बढ़ायी जा रही है। इससे सरकारी स्कूलों में पढऩे वाले मेधावी छात्र.छात्राओं को भी निजी स्कूलों की तर्ज पर अध्ययन अध्यापन की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा अभी जिले में चल रहे 6 अंग्रेजी माध्यम तो 4 हिंदी माध्यम के स्कूलों में पढऩे वाले छात्रों को मिल रही हैए जबकि 5 नए अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को शुरू करने की घोषणा प्रदेश सरकार ने शिक्षा बजट में कर दी है।

शिक्षा बजट में प्रदेश भर में कुल 101 स्वामी आत्मानंद शुरू करने की घोषणा ही नहीं की हैए वरन उनके सेटअप व

राशि की भी मंजूरी दी गई है। इससे नए स्कूलों में स्थानीय व आसपास के मेधावी बच्चे दाखिला ले सकेंगे। सरकार ने इन सभी स्कूलों को नया लुक देने के साथ साथ फर्नीचर व वहां की जरूरतों को पूरा करने के लिए 25600 लाख रुपए की मंजूरी दी है। इस राशि से एक स्कूल में 253.47 लाख रुपए खर्च होंगे। कोरबा जिले के सभी पांचों स्कूलों में 1267 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। राशि कहां और किस मद में खर्च की जाएगी इसकी जानकारी जिला शिक्षा विभाग तय करेगा।

जिले में अभी 6 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का संचालन हो रहा है। जबकि 4 हिंदी माध्यम के स्कूलों की मंजूरी शासन से बीते साल ही मिल चुकी है। अंग्रेजी माध्यम में पंप हाउस स्कूल, हरदीबाजार, पाली, पोड़ी उपरोड़ा, करतला व कटघोरा में हैं। जबकि हिन्दी माध्यम में एनसीडीसी सुभाष ब्लाक, ब्वायज हायर सेकेंडरी बालको के अलावा पसान व कोरबी स्कूल को शामिल है।

जिले के 5 नए स्वामी आत्मानंद स्कूल में इसी सत्र से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसलिए स्कूल की बिल्डिंग, डेस्क-टेबल सहित सारी सुविधाओं के इंतजाम जल्द ही कर लिए जाएंगे। शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू कर ली जाएगी। ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। बजट में प्रावधान के अनुसार कोरबा जिला में 5 नए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खुलेंगे। ये गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल तिलकेजा, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल जमनीपाली, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल कुसमुंडा, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल दीपका व गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल गोपाल के रूप में होंगे। यहां कक्षा 1 ली से 11वीं तक में एडमिशन नए सत्र से शुरू होगा।

बजट में स्वीकृत नए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूलों में प्राचार्य समेत 25 स्टाफ नियुक्त किए जाएंगे। सेटअप के अनुसार प्राचार्य यथावत रहेंगे। जबकि शेष 24 पदों में 10 व्याख्याता, 4 शिक्षक, 1 कम्प्यूटर शिक्षक, 1 व्यायाम शिक्षक, 5 सहायक शिक्षक, 2 सहायक शिक्षक विज्ञान व 1 ग्रंथपाल की भर्ती की जाएगी।

खाना ठंडा मिला तो मां बाप पर किया हमला, अपराध दर्ज

कोरबा (आरएनएस)। दिनभर दोस्तों के साथ घूमने वाला एक युवक रात में घर लौटा, जहां खाना ठंडा होने पर उसने विवाद करते हुए मां-बाप को जान से मारने की धमकी देते हुए उसपर बसुला से हमला किया।

लेमरू थाना अंतर्गत-बडग़ांव निवासी जगतराम कंवर का बेटा संतराम दिनभर गांव में दोस्तों के साथ घूमता रहता है। रात में घर लौटकर खाना खाकर सो जाता है। गुरुवार को भी वह दिनभर घूमने के बाद रात 9 बजे घर लौटा। तब तक जगतराम और उसकी पत्नी नामेश्वरी बाई खाना खाकर सो गए थे। संतराम खाने के लिए गया तो खाना ठंडा हो गया था। इस बात को लेकर वह गाली-गलौच करते हुए मां-बाप को जान से मारने की धमकी देने लगा। नामेश्वरी बाई ने इतने रात को आने पर खाना ठंडा नहीं होगा तो क्या गरम रहेगा कहा। इतना सुनते ही संतराम ने बसुला से नामेश्वरी बाई पर हमला कर दिया।

इस दौरान पास खड़े जगतराम ने रोकने का प्रयास किया तो उसे भी जान से मारने की धमकी देकर बसुला रखकर दौड़ाने लगा। किसी तरह बस्ती की ओर जाकर संतराम ने लोगों को बुलाया। जिससे संतराम ने हमला करना बंद कर दिया। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट पर आरोपी संतराम के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

नौकरी नहीं तो वोट नहीं, प्रेरक कर्मचारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

रायपुर (आरएनएस)। प्रेरक कर्मचारियों ((ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता के लिए लोगों को पढ़ाने वाले) ने नौकरी की मांग करते हुए बूढ़ा तालाब धरना स्थल पहुंचकर राज्य सरकार के खिलाफ एक दिवसीय धरना देते हुए प्रदर्शन किया।

इस दौरान महानदी के पानी को हाथ में लेकर सौगंध खाई कि यदि राज्य सरकार उन्हें नौकरी नहीं देगी तो आने वाले चुनाव में कांग्रेस को वोट नहीं देंगे।

आंदोलन के बीच प्रेरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप द्विवेदी ने पानी लेकर सामूहिक रूप से सभी प्रेरक संघ के लोगों को कसम दिलाई कि नौकरी के बाद ही कांग्रेस को वोट देंगे। अपनी मांग को दोहराते हुए कहा की सरकार को जल्द से जल्द प्रेरकों को शिक्षा और पंचायत विभाग में नौकरी, अन्य सरकारी विभागों की नौकरी में प्रेरकों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए।

दरअसल ये मांग साल 2018 के पहले से उठ रही है। चुनावी साल के पहले कांग्रेस ने इनसे नौकरी देने का वादा किया था, जोकि अब तक अधूरा है। अब फिर एक बार प्रेरक कर्मचारी पूरे प्रदेश में आंदोलन के जरिए मांगें मनवाने की कोशिश में हैं।

इस प्रदर्शन में प्रेरक कर्मचारियों ने अपनी मांग रखते हुए प्रशासन को ज्ञापन दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनके नौकरी पर सरकार का फैसला जल्द नहीं होता तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इसके साथ 31 मार्च 2018 से अब तक प्रेरकों को 2500 रुपए प्रति माह के हिसाब से बेरोजगारी भत्ता मिले।

दोना-पत्तल के व्यवसाय से महिलाओं को मिला रोजगार

❐ शहरी गौठान में महिला समूह ने खरीदी मशीन, प्रतिदिन 2000 दोना-पत्तल बनाने का लक्ष्य लेकर कर रही है काम

भिलाई (आरएनएस)। भिलाई के शहरी गौठान में महिला स्व सहायता समूह दोना और पत्तल का निर्माण कर रही है। बकायदा इसके लिए महिलाओं ने लोन के माध्यम से मशीन खरीदा है। आसान किस्तों में इसकी राशि भी अदा की जा रही है, कुछ ही महीने में मशीन की पूरी किस्त महिलाओं के द्वारा चुका दी जाएगी और मशीन महिलाओं का हो जाएगा। दोना और पत्तल बनाने के लिए गौठान में एक कक्ष केवल इसी के लिए महिलाओं को दिया गया है जहां दोना और पत्तल का निर्माण का कार्य किया जा रहा है। प्रतिदिन कम से कम 2000 दोना और पत्तल बनाने के लक्ष्य को लेकर महिलाएं काम कर रही है। इस व्यवसाय को अपनाकर प्रगति महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को आमदनी भी अच्छी प्राप्त हो रही है। अब तक इसके व्यवसाय से 35000 रुपए की आमदनी महिलाओं को प्राप्त हुई है। प्रतिमाह की बात करें तो 5000 से 7000 के मध्य आय महिलाओं की हो जाती है। इस व्यवसाय से महिलाओं को रोजगार भी मिला है, वर्तमान में 6 महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई है। दोना और पत्तल की सप्लाई ज्यादातर वैवाहिक आयोजनों में तथा धार्मिक स्तर पर होने वाले भंडारा आदि में हो रहा है।

कोसा नगर के शहरी गौठान में आकर लोग सीधे इस क्रय कर रहे है। गौरतलब है कि महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर गौठान में विभिन्न प्रकार की आजीविका मूलक गतिविधियां अपनाई जा रही है। जिसके चलते महिलाओं को रोजगार के साथ ही आय की प्राप्ति भी हो रही है। महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष मधु साहू तथा पूनम साहू ने बताया कि मार्केट से कम दर पर दोना और पत्तल उपलब्ध हो रहा है, इसलिए इसकी डिमांड ज्यादा है। दोना और पत्तल बनाने के लिए कच्चे मटेरियल की खरीदी महिलाओं के द्वारा रायपुर से की जाती है।

अलग-अलग पैकेट में जरूरत मुताबिक दोना और पत्तल तैयार किए जा रहे हैं, ताकि इस आधार पर आसानी से लोग अपने आवश्यकता के अनुरूप खरीदी कर सकें। शहरी गौठान में महिलाओं के पास 15, 50 तथा 100 की मात्रा के दोना और पत्तल के पैकेट भी उपलब्ध है।

महुआ का सीजन शुरू होते ही जंगल में बढ़ी आगजनी

कोरबा (आरएनएस)। महुआ का सीजन शुरू होने पर जंगल में आगजनी की घटनाएं बढ़ गई है। वन विभाग को रोज चार से पांच स्थानों पर आग लगने की सूचना मिल रही है। गांव के आसपास आग लगने पर ग्रामीण स्वयं ही आग बुझाते हैं। वन विभाग ने फायर वाचर की नियुक्ति कर आग बुझाने के लिए उपकरण भी दिया है, लेकिन जब तक आग बुझाने बहुत से हैं, तब तक बड़े क्षेत्र पौधे नष्ट हो चुके होते हैं।

जंगल में अभी पतझड़ के बाद पत्ते का ढेर लगे हुए हैं। महुआ सीजन शुरू होने के बाद ग्रामीण रोज सुबह जंगल पहुंचते हैं। बच्चे की सफाई करने के बजाए आग लगा देते हैं। आग लगने की यह घटनाएं हर साल होती है। जैसे ही महुआ का सीजन समाप्त होता है अब गिरने की घटनाएं कम हो जाती है।

जिले के दोनों वनमंडल कोरबा और करतला में रात के समय दूर से ही आग की लपटें नजर आती है। बालको रेंज के फूटहामुड़ा में दिन में लगी आग तेजी से फैल रही थी। लेकिन बुझाने के लिए कोई भी नहीं आया। वन विभाग भले ही दावा करे कि आगजनी की घटनाओं पर काबू पाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था है । लेकिन रात के समय लगी आग को काबू पाने के लिए कोई भी जंगल नहीं जाता। रोज 10 से 15 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो जाते हैं। बड़े पेड़ तो बच जाते हैं लेकिन छोटे पौधे नष्ट हो जाते हैं।

जंगल में आग लगने पर जंगली जानवर भी प्रभावित होते हैं। आग से बचने के लिए आबादी क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं। अभी दोनों ही वन मंडल में हाथी घूम रहे हैं। कई बार ग्रामीण जंगली जानवरों से बचने के लिए भी जंगल में आग लगा देते हैं। महुआ सीजन समाप्त होने के बाद तेंदूपत्ता का सीजन शुरू हो जाता है। उस समय भी पत्ते अच्छे निकले इसके लिए भी लोग जंगल में आग लगा देते हैं। 5 साल पहले वन विभाग ने तेंदूपत्ता ठेकेदार पर आग लगाने के मामले में कार्रवाई भी की थी। दो ही सीजन ऐसे हैं जब आग लगने की घटनाएं होती है।

कलेक्टर जनदर्शन में लोगों ने बताई अपनी समस्याएं... कलेक्टर डॉ.सिद्दीकी ने तत्काल फोन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण करने के दिए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दीकी ने आज जनदर्शन के माध्यम से लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम छोटे गन्तुली निवासी पुनाऊराम जो बचपन से विकलांग है एवं जिन्हें चलने-फिरने में असुविधा होती है, उन्होंने कलेक्टर के समक्ष ट्राईसाईकिल प्रदान करने हेतु आवेदन किया, जिस पर कलेक्टर ने तत्काल समाज कल्याण विभाग को सूचित कर इसकी जानकारी दी एवं आवेदनकर्ता को ट्राईसाईकिल हेतु आश्वस्त किया। ग्राम खर्री छोटे निवासी फोटोबाई सिदार ने वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन किया, उन्होंने बताया कि वह गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करती हैं तथा उनकी आय का कोई स्रोत नहीं है, जिस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद सारंगढ़ को जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जनकपुर तहसील बरमकेला निवासी दिलेश्वर चौहान वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन किया जिस पर कलेक्टर ने सीईओ बरमकेला को जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत

बार, तहसील बरमकेला निवासी लक्ष्मी प्रसाद साहू ने जमीन के रकबे को यथावत चिन्हांकित करने हेतु आवेदन किया, जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम सारंगढ़ को जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत कपरतुंगा के आश्रित ग्राम रोहिनापाली के ग्रामवासियों ने पेयजल की समस्या को लेकर हैण्डपंप खनन हेतु आवेदन किया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को जाँच करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में ग्राम कचौन्दा, बिलाईगढ़ के निवासियों ने पेयजल की समस्या को लेकर कलेक्टर के समक्ष आवेदन किया जिस पर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम धोबनी निवासी शिवलाल साहू ने जमीन के सीमांकन संबंधी समस्या को लेकर आवेदन किया जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम को जाँच करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास संबंधी आवेदन प्राप्त हुए जिस पर कलेक्टर ने संबंधित सीईओ को अवगत कराया।

जनदर्शन में कुल 41 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें पेंशन राशि, जमीन विवाद, भू-अर्जन, विद्युतीकरण एवं पेयजल संबंधी समस्या, धान बिक्री संबंधी समस्या, खाता विभाजन, सीमांकन एवं मुआवजा संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर डॉ.सिद्दकी ने संबंधित विभाग को प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ताकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर वेतनहत, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU